राजस्थानः संस्कृति, कला एवं साहित्य

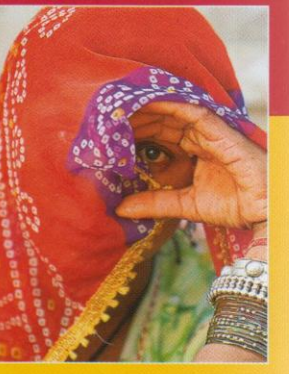

लेखक

डॉ. प्रेमचन्द्र गोस्वामी

संशोधन कर्ता

डॉ. शशि अरोडा देवड़ा

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(माध्यमिक शिक्षा और उच्चतर शिक्षा विभाग)

भारत सरकार

॥ राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी ॥

विषय-सूची

क्र.सं.	अध्याय	पृ.सं.
1.	**इतिहास एवं पुरातत्व** सांस्कृतिक इतिहास की पृष्ठभूमि, वैभवपूर्ण परंपरा के साक्ष्य, पुरातात्विक संस्कृति का चरमोत्कर्ष-आहड़, कालीबंगा से प्राप्त संस्कृति के अवशेष, गणेश्वर की पुरातात्विक धरोहर, संग्रहालय सम्पदा, बीकानेर अनूप संस्कृत पुस्तकालय, ऐतिहासिक उत्थान-पतन के प्रतीक प्रमुख दुर्ग, कलाओं का संगमस्थल : जूनागढ़, आमेर संग्रहालय और कला दीर्घा, ढूंढाड़ संस्कृति का दर्पण : हवामहल संग्रहालय, प्राच्य विद्या संग्रहालय	1-68
2.	**कला, साहित्य, संगीत एवं नृत्य** लघुचित्रों की परम्परा, रागमाला चित्रों का उत्कर्ष, कलात्मक भित्तिचित्र, भित्तिचित्रों की एक अनमोल धरोहर, मूर्तिकला, पत्थरों को जीवन्त बनाती मूर्तिकला, पड़ चित्रण, समसामयिक कलाधारा, अमूर्त चित्रांकन का परिदृश्य, हस्तकलाएँ और उद्यम की पृष्ठ-भूमि, साहित्य सृजन की आदि परम्परा, संत काव्य परम्परा, लोक साहित्य का परिदृश्य, समकालीन हिन्दी साहित्य, राजस्थानी भाषा : साहित्य और साहित्यकार, स्वतंत्रता संग्राम के राजस्थानी लोकगीत, शास्त्रीय संगीत की पृष्ठभूमि, लोक-संगीत के विकास की त्रिधारा, विविध आकर्षक लोक नृत्य, भील नृत्य गवरी, लोक अलंकरण कलाएँ, पिछवाई चित्रांकन, मोलेला के मूर्तिकला, कठपुतली-कला और कलाकार।	69-176
3.	**उत्सव समारोह एवं मेले** होली, दिवाली और तीज-त्यौहार, लोक आस्था केन्द्रों पर मेले, राजस्थान की प्रमुख लोक देवता, राजस्थान की प्रमुख लोक देवियाँ।	177-193
4.	**विविध** पर्यटन विकास, सांस्कृतिक संपदा का संरक्षण संरक्षण कैसे हो, संरक्षण : एक कठिन कार्य	194-202

□□□